भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या **919**

उत्तर देने की तारीख 24/07/2025

नए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की स्थापना

919. श्रीमती मालविका देवी:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछली तिमाही में कितने नए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) शुरू किए गए और आगामी वित्तीय वर्ष के लिए कितने विद्यालयों की योजना बनाई गई है;

(ख) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं कि ईएमआरएस विद्यालय शहरी क्षेत्रों में संचालित विद्यालयों के समकक्ष हों और जनजातीय छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु ये स्मार्ट कक्षाओं और ई-पुस्तकालयों से सुसज्जित हों; और

(ग) प्राचीन जनजातीय भाषाओं, जिन्हें भुला दिया जा रहा है, के संरक्षण के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं और क्या उन क्षेत्रों में स्थित ईएमआरएस में उस क्षेत्र की विशिष्ट जनजातीय भाषाओं और संस्कृति को पढ़ाने के लिए कोई प्रावधान है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री

(श्री दुर्गादास उइके)

(क) पिछली तिमाही में कुल 2 ईएमआरएस क्रियाशील किए गए हैं। जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत स्थापित एक स्वायत्त संस्था, राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (एनईएसटीएस), जो देश भर में ईएमआरएस की स्थापना, अनुदान (धन प्रदान करने), रखरखाव, नियंत्रण और प्रबंधन करती है, ने राज्य सरकारों से सभी स्वीकृत ईएमआरएस को क्रियाशील बनाने का आग्रह किया है।

(ख) जनजातीय छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास तक उनकी समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, ईएमआर स्कूलों में निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की जाती हैं:-

1. शैक्षणिक अवसंरचना:
    - o आधुनिक शिक्षण सहायक सामग्री से सुसज्जित कक्षाएँ।
    - o विज्ञान और कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ।
    - o विविध शिक्षण संसाधनों वाले पुस्तकालय।
2. आवास और सुविधाएँ:
    - o छात्रों और कर्मचारियों (स्टाफ) के लिए आवासीय सुविधाएँ।
    - o बिस्तर, फ़र्नीचर और स्वच्छता सुविधाओं जैसी आवश्यक सुविधाओं के साथ लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग छात्रावास।
3. खेल और पाठ्येतर सुविधाएँ:
    - o खेल के मैदान और खेल उपकरण।
    - o संगीत, कला और खेल जैसी पाठ्येतर गतिविधियों के लिए सुविधाएँ।
4. स्वास्थ्य और पोषण:
    - o नियमित स्वास्थ्य जाँच और चिकित्सा सुविधाएँ।
5. आईटी और डिजिटल लर्निंग:
    - o डिजिटल शिक्षा के लिए स्मार्ट कक्षाएँ।
    - o इंटरनेट पहुँच के साथ कंप्यूटर लैब।
6. व्यावसायिक प्रशिक्षण:
    - o रोज़गार क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम।

जहाँ तक डिजिटल शिक्षा का प्रश्न है, मंत्रालय अन्य सरकारी निकायों के साथ मिलकर जनजातीय छात्रों को डिजिटल और कौशल-आधारित शिक्षा तक पहुँच प्रदान करने के लिए कई पहलों को क्रियान्वित कर रहा है। इन पहलों में शामिल हैं:

i. आईआईटी-जेईई और नीट(एनईईटी) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क, उच्च-गुणवत्ता वाली डिजिटल कोचिंग, जनजातीय छात्रों को ऑनलाइन कक्षाएं और शैक्षणिक सहायता प्रदान करना। इन प्रयासों का उद्देश्य उनकी तैयारी को बढ़ाना और देश भर के प्रमुख इंजीनियरिंग और मेडिकल संस्थानों में प्रवेश पाने की उनकी संभावनाओं को बेहतर बनाना है।

ii. इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमआईईटीवाई) की ईआरएनईटी के साथ साझेदारी में स्थापित डिजिटल बोर्ड से सुसज्जित स्मार्ट कक्षाओं का प्रावधान।

iii. वंचित और कम प्रतिनिधित्व वाले समुदायों के लिए कंप्यूटर विज्ञान शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने के उद्देश्य के लिए अमेज़न फ्यूचर इंजीनियर (एएफई) कार्यक्रम एक व्यापक पहल है। आवर ऑफ कोड और कोड-ए-थॉन जैसे इंटरैक्टिव मॉड्यूल के माध्यम से व्यावहारिक कंप्यूटर विज्ञान शिक्षा प्रदान करने के लिए लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन (एलएलएफ) ने 430 ईएमआरएस में एएफई कार्यक्रम लागू किया है ताकि छात्र प्रोग्रामिंग और समस्या समाधान में आवश्यक कौशल हासिल कर सकें।

iv. छात्रों को व्यावहारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण और उद्योग-प्रासंगिक कौशल प्रदान करने के लिए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमओएसडीई) के सहयोग से 200 ईएमआरएस में 400 कौशल प्रयोगशालाओं की स्थापना।

v. दूरस्थ स्थानों में भी गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक संसाधनों तक निर्बाध पहुँच सुनिश्चित करने के लिए सीआईईटी-एनसीईआरटी द्वारा विशेष रूप से ईएमआरएस छात्रों के लिए एक समर्पित डीटीएच टीवी चैनल - एकलव्य (चैनल संख्या 32) विकसित किया गया है, जो कक्षा 9वीं से 12वीं के लिए पाठ्यक्रम-आधारित शिक्षण और प्रतियोगी परीक्षा सामग्री प्रदान करता है।

(ग) ईएमआरएस में स्थानीय भाषाओं के प्रयोग को स्कूल की समग्र शिक्षा पद्धति के एक भाग के रूप में प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह इन स्तरों पर जनजातीय छात्रों की शैक्षणिक यात्रा में सहायक हो। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रयास किए जा रहे हैं:

i. जनजातीय रीति-रिवाजों, संगीत, नृत्य, कला और व्यंजनों का जश्न मनाने और समुदाय में गौरव और एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक उत्सव और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

ii. क्षेत्रीय भाषा और प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से जनजातीय छात्रों में भाषा सीखने को बढ़ावा देने के लिए भारतीय भाषा उत्सव मनाया जाता है। भाषा कार्यक्रमों, शिक्षा और दस्तावेज़ीकरण के माध्यम से स्वदेशी भाषाओं को बनाए रखने और पुनर्जीवित करने के प्रयासों का समर्थन किया जाता है।

iii. जनजातीय समुदायों के गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को अभिस्वीकृति प्रदान करने के लिए जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है।

iv. जनजातीय बच्चों के लिए नाटक/प्रहसन, रेखाचित्र और चित्रकारी, नृत्य, गायन, कविता पाठ, निबंध लेखन, वाद-विवाद और चर्चाओं जैसी विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन उनकी संस्कृति के संरक्षण में मदद करता है।

v. ईएमआरएस पाठ्येतर गतिविधियों, सांस्कृतिक उत्सवों और स्कूल की गतिविधियों में एकीकरण के माध्यम से स्थानीय कला, संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देते हैं।

vi. राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को देश भर के प्रत्येक ईएमआरएस में जनजातीय नुक्कड़ (ट्राइबल कोर्नर) स्थापित करने के लिए कहा गया है, जो एक शैक्षणिक और प्रेरणादायक स्थान होगा, तथा छात्रों में जनजातीय विरासत के प्रति गहरी समझ और आदर को पोषित करेगा।

vii. भाषाई विविधता को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए जनजातीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री समर्पित डीटीएच टीवी चैनल - एकलव्य (चैनल संख्या 32) पर प्रदान की जाती है।

viii. ईएमआरएस छात्रों को स्थानीय भाषा सिखाने के लिए क्षेत्रीय भाषा शिक्षकों की भर्ती की गई है।

****